भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर 452001
ICAR-National Soybean Research, Institute, Khandwa Road, Indore-452001

सोया कृषकों के लिए सलाह
Advisory for Soybean Farmers

फोन : 0731-2476188, Fax: 2470520
वेब साईट : https://iisrindore.icar.gov.in
ई मेल : director.soybean@icar.gov.in/ dsrdirector@gmail.com

YouTube लिंक: YouTube channel: https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ
Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553
फेसबुक: https://www.facebook.com/icar.nsri/
X: @ICARNSRI Whatsapp & Telegram: NSRI Soy Farmers

© ICAR-NSRI

यह विस्तार बुलेटिन सोया कृषकों के सार्वजानिक हित में और विशुद्ध रूप से भारत भर के सोयाबीन उत्पादकों के लाभ के लिए जारी की गई है। यह आईसीएआर-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान और सोयाबीन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वैज्ञानिकों की बौद्धिक सम्पदा हैं। सोया कृषकों के अतिरिक्त किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा किसी प्रकार का व्यावसायिक/लाभ कमाने के लिए इसका आंशिक/संपूर्ण उपयोग ICAR-NSRI को बिना उचित श्रेय दिए सख्त वर्जित है।

Disclaimer: This document/Advisory is issued in the public interest and purely for the benefit of the soybean growers across India. This is the sole intellectual output of scientists of ICAR-National Soybean Research Institute, and All India Coordinated Research Project on Soybean. Its use by any organization (other than farmers) for any commercial/profit making as part/whole/copying without giving due credit is strictly prohibited.

फ़ाइल् क्रमांक: टेक 10-6/2025 **दिनांक: 22.09.2025**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(22-28 सितम्बर 2025 / 22nd-28th September 2025)

1.	सोयाबीन की शीघ्र पकनेवाली किस्मों में 90% फलियों का रंग पिला पड़ने पर फसल की कटाई कर सकते हैं. इससे बीज के अंकुरण में विपरीत प्रभाव नहीं होता. Harvest the early maturing soybean varieties immediately after the 90% pods have turned yellow. This will not have adverse effect on the seed germination.	
2.	सलाह हैं कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके. It is advised that the farmers should harvest their soybean crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering.	
3.	सोयाबीन की कटी हुयी फसल को धुप में सुखाने के पश्चात गहाई करें. तुरंत गहाई करना संभव नहीं होने की स्थिति में बारिश से बचाने हेतु फसल को सुरक्षित स्थान पर इकठ्ठा करें. The harvested crop must be threshed after sun drying. If the threshing is to be done later, it should be stored at safe place protecting from rains.	

4.	आगामी वर्ष बीज के रूप में उपयोगी सोयाबीन की फसल की गहाई 350 से 400 आर.पी.एम. पर करें जिससे बीज की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े. If the produce is to be used for seed purpose in the next season, farmers are advised to thresh the soybean at 350 to 400 RPM thresher to avoid the loss of seed germination.	
5.	जिन क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही हैं, कृपया अपने खेत से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु समुचित व्यवस्था करे एवं जलभराव की स्थिति से होने वाले नुकसान से फसल को बचाए. It is advised to make necessary drainage arrangement in order to maintain the quality of the soybean produce due to continuous rain at the time of maturity as a result of logging situation	
6.	सोयाबीन की फलियों में दाने भरने या परिपक्वता की अवस्था में फसल पर होने वाली लगातार बारिश से सोयाबीन की गुणवत्ता में कमी आ सकती हैं या फलियों के दाने अंकुरित होने की भी सम्भावना हो सकती हैं. अतः सलाह हैं कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके.	
	Because of continued rain during the maturity stage, the soybean crop is likely to affect in terms of its quality parameters including viability as well as risk of pre-harvest sprouting in the matured pods. Therefore, farmers are advised to harvest their crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering. However, the crop harvested at physiological maturity must be dried properly to avoid losses due to rotting of grains.	
7	भण्डार गृह ठंडा, हवादारए कीट व नमी रहित होना चाहिये। यदि संभव हो, भण्डारण गृह में लकडी के प्लेटफॉर्म बनाकर सोयाबीन के बोरों को पर खड़ा रखें। यदि बोरियों की थप्पी लगाकर भण्डारण करना हो, यह ध्यान रखे कि 3-4 बोरियों से अधिक या 5 फिट की उँचाई तक ही थप्पीया लगाये जिससे सोयाबीन की अंकुरण प्रभावित न हो।	
	The storage place should be cool with aeration and insect free. The soybean bags should be kept upright as far as possible. If stacking is to be done, it should be only up to 4-5 bags of not more than 5 feet height (using platform) in order to maintain the viability/germination of soybean seed.	
8.	भण्डारण करते समय सोयाबीन के बोरों को प्लेटफॉर्म पर सावधानिपूर्वक रखें एवं ऊंचाई से नही पटकें। भण्डार गृह की दिवार में नमी आने पर सोयाबीन बीज को फफूंद/रोगों के संक्रमन से बचाने हेतु यह भी ध्यान रखें कि बोरें दिवार से सीधे संपर्क में ना हो। While moving the seed bags to storage house, it should be carefully placed at the appropriate place/platform. The seed bags should not come in direct contact with floor/wall. The moisture seepage in the walls/floor may be a source of infection of diseases, hence to be avoided during storage.	

****